University in News on 23 June 2022

HINDUSTAN PAGE 4

डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को दक्ष बनाने के लिए कोर्स

पहल

■ जावेद मुस्तफा

लखनऊ। डिग्री कॉलेजों के स्थायी शिक्षकों को शिक्षण में दक्ष बनाने के लिए एलयू में तीन कोर्स शुरू किए गए हैं। भविष्य की चुनौतियों के साथ बदलते स्वरूप के शिक्षण कार्य में शिक्षकों को ऑलराउण्डर बनाने के लिए इन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

एलयू के ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (एचआरडीसी) ने नए सत्र के लिए गुरु दक्षता, रेफ्रेशर एवं शार्ट टर्म समेत तीन पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। गुरुओं के लिए शुरू हो रहे तीनों ही पाठ्यक्रम की मंजूरी विश्वविद्यालय यूजीसी से मिल गई है। खास बात ये है कि इन कोर्स को करने के लिए लखनऊ या प्रदेश ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, छत्तीसगढ़ और उत्तराखण्ड समेत छह राज्यों के शिक्षक जुड़े हैं।

प्रमोशन के लिए कोर्स अनिवार्य

एलयू के एचआरडीसी केन्द्र के निदेशक प्रो. कमल कुमार ने बताया कि बदलते समय में शिक्षण कार्य का स्वरूप भी बदला है। ऑनलाइन शिक्षा और तकनीक का प्रयोग जरूरी हो गया है। साथ ही आने वाले समय में शिक्षकों के सामने क्या चुनौतियां होंगी, उनसे कैसे निपटना है, ये सारी चीजें सिखायी जाएंगी। ये कोर्स सभी शिक्षकों को करना होगा क्योंकि प्रमोशन के लिए ये अनिवार्य है।

गुरु दक्षता में छह कोर्स सभी के लिए अनिवार्य

प्रो. कमल कुमार ने बताया कि सभी शिक्षकों को ये कोर्स करने हैं। कोर्स के एक पूरे साल में छह कोर्स सेशन होंगे। 28 से गुरु दक्षता कोर्स का पहला सेशन शुरू हो गया है जो 11 जुलाई तक ऑनलाइन चलेगा। जिसमें छह राज्यों के 37 शिक्षक हैं। रेफ्रेशर कोर्स 12 दिन को होगा जो साल में छह बार होगा। शिक्षक कभी भी कर सकते हैं। शार्ट टर्म कोर्स विषय आधारित है। इसे साल में चार बार कराया जाएगा। प्रत्येक कोर्स की तारीखें घोषित कर दी गई हैं। इसके साथ ही वर्कशॉप और सेमिनार का आयोजन भी किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र पीछे चल रहा, कॉलेजों और विभागों से लिया सीटों का ब्योरा

पीएचडी सत्र पटरी पर लाने को एक साल में दो प्रवेश प्रक्रिया

कवायद

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक साल पीछे चल रही पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया को पटरी पर लाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। लखनऊ विवि ने पीएचडी सत्र को पटरी पर लाने के लिए एक साल में दो प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का मन बना लिया है। विश्वविद्यालय को पहले सत्र 2020-21 के लिए प्रवेश आवेदन लेने हैं। इसके बाद दिसम्बर माह में सत्र 2022-23 की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। ऐसा करने से एक साल पीछे चल रहा पीएचडी सत्र सामान्य रूप में आ जाएगा।

सत्र 2021-22 के लिए विभागों ने सीट का ब्योरा मांगा है। 20 जून तक ब्योरा देना था। प्रवेश नियंत्रक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि पीएचडी प्रवेश के लिए 20 जून तक सीटों एवं अर्ह शिक्षकों का विवरण मांगा था। अधिकांश का विवरण आ गया है। सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करने के बाद दिसम्बर में सत्र 2022-23 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।

पहली बार कॉलेजों के शिक्षक कराएंगे पीएचडी: सत्र 2021-22 से पहली बार डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को भी पीएचडी कराने का मौका दिया जा रहा है। जिसके लिए अध्यादेश में संशोधन किया गया है। इसके लिए सीटों का विवरण मांगा गया। विवरण में शिक्षक का नाम, शिक्षक का मोबाइल नम्बर, ईमेल आदि के साथ शोधार्थियों की संख्या आदि विवरण मांगा गया।

20 जून तक सीटों एवं शिक्षकों का विवरण मांगा गया था

01 साल पीछे चल रही प्रक्रिया को पटरी पर लाने की कोशिश

- दिसम्बर में सत्र 2022-23 की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा
- अधिकांश जगहों से एलयू को मिल गया मांगा हुआ विवरण

कोरोना ने लगा दिया एक साल का ब्रेक

कोरोना महामारी की वजह से एलयू का पीएचडी सत्र एक साल पिछड़ा। बीते साल सत्र 2020-21 की प्रवेश प्रक्रिया पूरी की गई थी। मौजूद सत्र की प्रवेश प्रक्रिया में 2021-22 के लिए आवेदन लिए जाने हैं। डिग्री कॉलेजों और विभागों से सीटों का ब्योरा मिलते ही पीएचडी के आवेदन लेना शुरू कर दिए जाएंगे।

नवंबर में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा

एलयू की सत्र 2021-22 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया होने के बाद तुरंत बात डिग्री कॉलेजों और विभागों से पीएचडी की सीटों को ब्योरा ले लिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि नवंबर माह के आखिर में सत्र 2022-23 के प्रवेश का नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार इसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

विवि ने पांच पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी किए

लखनऊ विश्वविद्यालय की दिसम्बर 2021 विषम सेमेस्टर परीक्षा में पांच पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी न्यूट्रीशन तृतीय सेमेस्टर, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी तृतीय सेमेस्टर, एमवीए एप्लाइड आर्ट प्रथम सेमेस्टर, बी-वोक रिनुएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी पांचवा सेमेस्टर एवं एमपीएच कम्युनिटी मेडिसिन तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि परिणाम लखनऊ विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड हैं। छात्र और छात्राएं वहां आसानी से अपने परिणाम देख सकते हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एमएससी-एमवीए का परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि व सहयुक्त महाविद्यालयों के एमएससी न्यूट्रिशन तीसरे सेमेस्टर, एमवीए अप्लाइड आर्ट पहले सेमेस्टर, बीवोक रिन्यूवेबल एनर्जी टेक्नोलॉजी पांचवें सेमेस्टर, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी तीसरे सेमेस्टर व एमपीएच कम्युनिटी मेडिसिन तीसरे सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी इसे विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीबीए-बीसीए का अतिरिक्त सेक्शन स्वीकृत

लखनऊ। लविवि ने सहयुक्त श्रीराम स्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट में बीबीए-बीसीए में एक-एक अतिरिक्त सेक्शन को स्वीकृति दे दी है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि उक्त कोर्सों में पूर्व आवंटित सीटों के अतिरिक्त 60-60 सीटों के एक और सेक्शन को सत्र 2022-23 से स्वीकृति दे दी गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

नैक विजिट के मद्देनजर देखी व्यवस्था

लखनऊ। लविवि में नैक विजिट की तिथि तय होने के बाद तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने जंतु विज्ञान विभाग व ओएनजीसी का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही संबंधितों को सुझाव भी दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR PAGE 5

पीएचडी सत्र पटरी पर लाने की कवायद

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले एक साल से पीएचडी सत्र पीछे चल रहा है। अब नया सत्र समय से शुरू करने के लिए दिसंबर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करनी होगी। ऐसे में विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया को पटरी पर लाने के लिए इस साल के अंत में पीएचडी एडमिशन का दूसरा चरण आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।

हालांकि विभागों की ओर से पीएचडी प्रवेश को लेकर जो तेजी दिखाई जा रही है, उसे देखकर मौजूदा प्रक्रिया ही दिसंबर तक पूरा नहीं होता दिख रहा है। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन पीएचडी सीटों को लेकर विभागों को कोई बार नोटिस भेजा है पर अभी तक कई विभागों ने पीएचडी सीटों का ब्यौरा ही तैयार नही किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय

- पिछले एक साल से पीछे चल रहा है सत्र
- यूजी-पीजी प्रवेश पूरे होने के बाद शुरू होगी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया

कोरोना के चलते प्रभावित हुआ पीएचडी सत्र: कोरोना के कारण पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया एक साल पीछे चल रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते साल सत्र 2020-21 का प्रवेश प्रक्रिया पूरा किया था। मौजूदा प्रवेश प्रक्रिया में उसे सत्र 2021-22 के लिए आवेदन लेने है। पर अभी तक विभागों और कॉलेजों से पीएचडी सीटों की पूरा ब्योरा नहीं मिल पाया है। जबकि विश्वविद्यालय को सत्र 2022-23 के प्रक्रिया को भी इसी साल पूरा करना है। तब कहीं जाकर पीएचडी सत्र पटरी पर आएगा।

निर्धारित समय सीमा में नहीं दे सके पीएचडी सीटों का ब्योरा

पीएचडी प्रवेश के लिए विभागों से 20 जून तक सीटों व अर्ह शिक्षकों का विवरण देने के लिए कहा गया था, लेकिन समय बीतने के बाद भी बुधवार तक बहुत से ऐसे विभाग हैं, जिन्होंने विवरण अब तक नहीं भेजा। इस पर कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने नाराजगी जाहिर की है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

एलयू ने पांच पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय की दिसम्बर 2021 विषम सेमेस्टर परीक्षा में पांच पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी न्यूट्रीशन तृतीय सेमेस्टर, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी तृतीय सेमेस्टर, एमवीए एप्लाइड आर्ट प्रथम सेमेस्टर, बी-वोक रिनुएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी पांचवा सेमेस्टर एवं एमपीएच कम्युनिटी मेडिसिन तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा जारी किया गया है।

i-NEXT PAGE 4

दिसंबर से पटरी पर आएगा पीएचडी सेशन!

नहीं हो पाए थे एडमिशन

विवरण तक नहीं भेजा

दिसंबर में दूसरा चरण

JAGRAN CITY PAGE III

नैक के बाद होंगे पार्ट टाइम एमटेक कोर्स में आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय जुलाई में करेगा एकेडमिक काउंसिल की बैठक दी जाएगी कोर्स के प्रस्ताव को स्वीकृति

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) जुलाई में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) मूल्यांकन के बाद एकेडमिक काउंसिल की बैठक में पार्ट टाइम एमटेक पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी देगा। उसके बाद आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लवि के इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक रेगुलर पाठ्यक्रम संचालित है। संकाय ने बीटेक के बाद किसी वजह से आगे की पढ़ाई न करके नौकरी करने वाले इंजीनियरों एवं प्रोफेशनल के लिए पार्ट टाइम मास्टर आफ टेक्नोलाजी (एमटेक) कोर्स शुरू करने की तैयारी कर ली है। कोर्स को बोर्ड आफ स्टडीज व फैकल्टी बोर्ड से भी मंजूरी मिल चुकी है। अब सिर्फ एकेडमिक काउंसिल से स्वीकृति का इंतजार है। चूंकि इस समय नैक मूल्यांकन के लिए 11, 12 व 13 जुलाई की तिथि तय हो गई है। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन उसकी तैयारी में जुटा है। इसलिए नैक टीम के दौरे के बाद एकेडमिक काउंसिल के जरिए इस प्रस्ताव को पास किया जाएगा। फिर आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी।

पांच साल में पूरा कर सकेंगे पाठ्यक्रम : पार्ट टाइम एमटेक पाठ्यक्रम छह सेमेस्टर का होगा। इसे अध्यर्थी को पांच साल में पूरा करना होगा। इसकी कक्षाएं शाम को छह से रात नौ बजे तक चलेंगी। दाखिले के लिए नौकरी करने वाले ऐसे इंजीनियर व प्रोफेशनल अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे, जिनके पास बीटेक या बैचलर आफ इंजीनियरिंग (बीई) की डिग्री होगी। इस कोर्स की शुरुआत इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पावर सिस्टम और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में इंडस्ट्रियल एंड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग से होगी। प्रत्येक ब्रांच में 20-20 सीटों पर प्रवेश होंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को जंतु विज्ञान विभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां की लाइब्रेरी भी देखी • सौजन्य : लवि

पार्ट टाइम एमटेक पाठ्यक्रम बोर्ड आफ स्टडीज, फैकल्टी बोर्ड से पास हो चुका है। नैक मूल्यांकन के बाद एकेडमिक काउंसिल में इसे पास किया जाएगा। उसके बाद आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

कुलपति ने किया विभागों का निरीक्षण

लखनऊ विश्वविद्यालय में 11 से 13 जुलाई तक नैक मूल्यांकन होना है। ऐसे में बेहतर ग्रेड के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। इसको लेकर लगातार कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय विभागों का निरीक्षण कर कमियां दूर करा रहे हैं। बुधवार को भी उन्होंने जंतु विज्ञान विभाग और ओएनजीसी सेंटर का निरीक्षण किया। जंतु विज्ञान विभाग में उन्होंने बोर्ड रूम को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्हें संग्रहालय और लाइब्रेरी की व्यवस्था ठीक मिली।

नेशनल कालेज: यूजीसी से फिर स्वायत्ता के लिए आवेदन

जासं, लखनऊ : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से स्वायत्ता (आटोनामस) प्राप्त शहर के एक मात्र नेशनल पीजी कालेज ने फिर से इसके लिए आवेदन किया है। यूजीसी ने आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बाद अब कालेज में निरीक्षण के लिए एक कमेटी गठित कर दी है। इसमें राज्य सरकार और लखनऊ विश्वविद्यालय का एक-एक प्रतिनिधि नामित होना बाकी है। इसके लिए पत्र भेजा जा चुका है। यूजीसी निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले कालेजों को आटोनामस का दर्जा देता है। लखनऊ में 173 राजकीय व सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में से सिर्फ नेशनल पीजी कालेज को ही यह दर्जा प्राप्त है। अब तक दो बार कालेज को इसका प्रमाण पत्र मिल चुका है। आटोनामस होने के बाद कालेज अपना प्रवेश पत्र, परीक्षा व करिकुलम डिजाइन करने के लिए स्वतंत्र होते हैं। समय-समय पर यूजीसी से प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट मिलती है। अब तीसरी बार भी आटोनामस का प्रमाण पत्र लेने की प्रक्रिया कालेज ने शुरू कर दी है। इसके लिए कालेज की ओर से आवेदन भी किया जा चुका है।

प्रतिनिधि नामित करने के लिए पत्र भेजा गया

कालेज के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि निरीक्षण के लिए बनाई गई कमेटी में तीन विशेषज्ञ के नाम फाइनल हैं। राज्य सरकार और लखनऊ विश्वविद्यालय से एक-एक प्रतिनिधि नामित करने के लिए पत्र भेजा जा चुका है। अब जल्द ही नई तिथि घोषित होगी।

पांच पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने बुधवार को पांच पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी कर दिए। इनमें एमएससी न्यूट्रिशन तीसरे सेमेस्टर, एमवीए एप्लाइड आर्ट प्रथम सेमेस्टर, बीवोक रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलाजी पांचवें सेमेस्टर, बीएससी बायोटेक्नोलाजी व एमपीएच कम्युनिटी मेडिसिन तीसरे सेमेस्टर का परिणाम शामिल है। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं।